हिंदी (पाठ्यक्रम - अ) कोड (002)

कक्षा 10 प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 1

Future Topper द्वारा तैयार | यह CBSE का आधिकारिक प्रश्नपत्र नहीं है

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं - क, ख, ग, घ ।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
3. प्रश्नपत्र में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।
4. प्रश्नों के सामने वर्गाकार कोष्ठक में अंक दिए गए हैं ।

खंड - क (अपठित बोध) [14 अंक]

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *[7]*

आज जब जल संकट विश्व के अनेक भागों में गंभीर रूप ले चुका है, वर्षा जल संचयन एक सरल किंतु प्रभावी उपाय के रूप में उभर रहा है । यह विधि इस सीधे सिद्धांत पर आधारित है कि वर्षा के दौरान गिरने वाले जल को व्यर्थ बहने देने के बजाय संग्रहित कर भविष्य में उपयोग के लिए सुरक्षित रखा जाए ।

शहरी क्षेत्रों में, जहाँ भूमिगत जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है, वहाँ छतों पर एकत्र वर्षा जल को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों अथवा पुनर्भरण गड्ढों तक पहुँचाया जाता है । यह प्रक्रिया न केवल घरेलू उपयोग के लिए जल उपलब्ध कराती है, बल्कि भूजल स्तर को पुनः ऊपर उठाने में भी सहायक सिद्ध होती है ।

ग्रामीण क्षेत्रों में यह पद्धति सदियों से किसी न किसी रूप में प्रचलित रही है । पारंपरिक जोहड़, बावड़ियाँ और तालाब इसी सोच के प्रमाण हैं, जिनका निर्माण हमारे पूर्वजों ने बिना किसी आधुनिक तकनीक के, केवल स्थानीय भूगोल की समझ के आधार पर किया था । दुर्भाग्यवश, समय के साथ अनेक ऐसी परंपरागत जल संरचनाएँ उपेक्षा के कारण नष्ट होती गईं ।

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्षा जल संचयन को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए केवल सरकारी नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है । विद्यालयों और सोसायटियों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर इस दिशा में उल्लेखनीय परिवर्तन लाया जा सकता है ।

अंततः, वर्षा जल संचयन कोई जटिल अथवा महंगी तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने की एक सरल कला है, जिसे अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है ।

शैक्षणिक उपयोग हेतु रचित / लगभग 250 शब्द

(क). उपर्युक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है? *[1]*

(i). भूमिगत जल स्तर में वृद्धि पर
(ii). वर्षा जल संचयन के महत्व पर
(iii). ग्रामीण जल संरचनाओं के इतिहास पर
(iv). सरकारी जल नीतियों पर

(ख). निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : कथन - पारंपरिक जोहड़, बावड़ियाँ और तालाब उपेक्षा के कारण नष्ट होते गए । कारण - आधुनिक तकनीक के अभाव में इनका निर्माण संभव नहीं था । *[1]*

(i). कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है ।
(ii). कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।
(iii). कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है ।
(iv). कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है ।

(ग). वर्षा जल संचयन को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए क्या आवश्यक बताया गया है? *[1]*

(i). केवल सरकारी नीतियाँ
(ii). आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी
(iii). विदेशी तकनीक का आयात
(iv). नए बांधों का निर्माण

(घ). शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन की प्रक्रिया किस प्रकार भूजल स्तर को प्रभावित करती है? *[2]*

(ङ). लेखक के अनुसार वर्षा जल संचयन को क्यों एक 'सरल कला' कहा गया है? *[2]*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *[7]*

हाथों की रेखा में नहीं, पसीने की बूँदों में लिखा है भाग्य, जो मिट्टी को सोना बनाती हैं, वे उँगलियाँ ही सच्चा राग हैं ।

कोई नहीं आता आसमान से, हल लेकर, बीज बोकर, यह धरती स्वयं उगलती है फसलें, जब कोई थकता नहीं जोतकर।

महल नहीं चाहिए उसे कोई, न यश की भूख, न नाम की चाह, बस इतना काफ़ी है कि कल, फिर सूरज उगे, फिर मिले राह।

(मौलिक रचना, शैक्षणिक उपयोग हेतु)

(क). प्रस्तुत काव्यांश में मुख्य रूप से किसकी महिमा का वर्णन है? *[1]*

(i). प्रकृति की सुंदरता का
(ii). परिश्रम और श्रमिक के जीवन का
(iii). आधुनिक तकनीक का
(iv). पारिवारिक संबंधों का

(ख). निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : कथन - कवि के अनुसार भाग्य हाथों की रेखाओं में नहीं लिखा होता। कारण - भाग्य पूर्णतः पूर्वनिर्धारित होता है और उसे बदला नहीं जा सकता। *[1]*

(i). कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(ii). कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(iii). कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है।
(iv). कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(ग). कवि के अनुसार श्रमिक को किस चीज़ की चाह नहीं है? *[1]*

(i). भोजन और वस्त्र की
(ii). यश और नाम की
(iii). परिवार के साथ की
(iv). विश्राम की

(घ). 'यह धरती स्वयं उगलती है फसलें' - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। *[2]*

(ङ). काव्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि श्रमिक के लिए सच्ची संतुष्टि किसमें निहित है। *[2]*

खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण) [16 अंक]

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *[4x1=4]*

(क). जैसे ही घंटी बजी, सभी विद्यार्थी कक्षा से बाहर निकल आए। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख). राधा ने पत्र लिखा और उसे डाकघर भेज दिया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ग). जो व्यक्ति परिश्रम करता है, वह अवश्य सफल होता है। (सरल वाक्य में बदलिए)

(घ). वर्षा होते ही खेतों में हरियाली छा गई। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

(ङ). सूरज निकला और कोहरा छँट गया। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *[4x1=4]*

(क). माली ने पौधों को पानी दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख). बच्चों द्वारा खेल खेला गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग). यहाँ बैठा नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद बताइए)

(घ). मुझसे अब चला नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद बताइए)

(ङ). अध्यापक द्वारा नियम समझाए गए। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद परिचय लिखिए : *[4x1=4]*

(क). सुनीता प्रतिदिन विद्यालय जाती है।

(ख). वह धीरे-धीरे चल रहा था।

(ग). मोहन ने सुंदर चित्र बनाया।

(घ). बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।

(ङ). वाह! कितना सुंदर दृश्य है।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित पंक्तियों में अलंकार पहचान कर लिखिए : *[4x1=4]*

(क). मुख चंद्रमा-सा सुंदर है।

(ख). चरण कमल बड़े कोमल हैं।

(ग). आँसुओं की धार बह चली मानो नदी उमड़ पड़ी हो।

(घ). हज़ारों बार सूरज ने पुकारा, पर वह जागा ही नहीं।

(ङ). पवन गुनगुना रहा था धीरे से।

खंड - ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक) [30 अंक]

नोट : इस खंड के प्रश्न 'क्षितिज भाग 2' एवं 'कृतिका भाग 2' में निर्धारित पाठों पर आधारित हैं। प्रश्न मौलिक रूप से रचे गए हैं और किसी भी पाठ्यपुस्तक से शब्दशः उद्धृत नहीं हैं।

7. गद्य खंड (क्षितिज भाग 2) पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *[5x1=5]*

(क). 'नेताजी का चश्मा' कहानी में हालदार साहब को मूर्ति में परिवर्तन किस वस्तु के माध्यम से दिखाई देता है?

(i). टोपी
(ii). चश्मा
(iii). कोट
(iv). जूता

(ख). 'बालगोबिन भगत' पाठ के अनुसार भगत जी किस पर अटूट विश्वास रखते थे?

(i). समाज की रूढ़ियों पर
(ii). कर्मकांड और आडंबर पर
(iii). आत्मा-परमात्मा के मिलन के सिद्धांत पर
(iv). पारिवारिक संपत्ति पर

(ग). 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब का व्यवहार मुख्यतः किस प्रवृत्ति को दर्शाता है?

(i). सरलता
(ii). दिखावटी शान और झूठी प्रतिष्ठा
(iii). उदारता
(iv). कृपणता

(घ). 'एक कहानी यह भी' पाठ में लेखिका मन्नू भंडारी ने अपने जीवन में सबसे अधिक प्रभाव किसका बताया है?

(i). पिता का
(ii). माँ और बाहर की एक शिक्षिका दोनों का
(iii). पड़ोसियों का
(iv). भाई-बहनों का

(ङ). 'नौबतखाने में इबादत' पाठ में बिस्मिल्ला ख़ाँ किस वाद्ययंत्र के लिए प्रसिद्ध थे?

(i). सितार
(ii). तबला
(iii). शहनाई
(iv). बांसुरी

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए : *[3x2=6]*

(क). 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लेखक ने सभ्यता और संस्कृति में क्या अंतर बताया है?

(ख). 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखिका के जीवन पर डॉ. शीला अग्रवाल का क्या प्रभाव पड़ा।

(ग). 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर बिस्मिल्ला ख़ाँ की संगीत साधना की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(घ). 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि नवाब साहब आम आदमी से बातचीत करने से क्यों बचते थे।

9. काव्य खंड (क्षितिज भाग 2) पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *[5x1=5]*

(क). 'सूरदास के पद' में गोपियाँ उद्धव के ज्ञान-योग को व्यंग्यात्मक ढंग से किस वस्तु से जोड़ती हैं?

(i). कड़वी ककड़ी से
(ii). मीठे फल से
(iii). दूध की धार से
(iv). मक्खन से

(ख). 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में परशुराम जी के क्रोध का मुख्य कारण क्या था?

(i). राम का शिव-धनुष तोड़ना
(ii). लक्ष्मण की व्यंग्यपूर्ण बातें
(iii). जनक का मौन रहना
(iv). सीता का विवाह प्रस्ताव

(ग). 'आत्मकथ्य' कविता में कवि जयशंकर प्रसाद अपने जीवन की गाथा कहने से क्यों हिचकते हैं?

(i). उन्हें अपनी उपलब्धियों पर गर्व नहीं है

(ii). वे इसे व्यर्थ का दिखावा मानते हैं

(iii). वे अपनी असफलताएँ छुपाना चाहते हैं

(iv). उन्हें भाषा का अभाव है

(घ). 'उत्साह' कविता में कवि निराला किसका आह्वान करते हैं?

(i). सूर्य का

(ii). बादल का

(iii). पवन का

(iv). चंद्रमा का

(ङ). 'संगतकार' कविता में संगतकार की आवाज़ में हिचक किस बात का प्रतीक है?

(i). उसके आत्मविश्वास की कमी का

(ii). मुख्य गायक का मान बनाए रखने की चेष्टा का

(iii). उसकी गायन क्षमता की कमी का

(iv). उसके भय का

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए : *[3x2=6]*

(क). 'सूरदास के पद' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि गोपियाँ उद्धव के प्रति व्यंग्य क्यों करती हैं।

(ख). 'उत्साह' और 'अट नहीं रही है' कविताओं के आधार पर निराला जी के प्रकृति-चित्रण की विशेषता बताइए।

(ग). 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि संगतकार की भूमिका मुख्य गायक के लिए क्यों महत्वपूर्ण है।

(घ). 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व की किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए।

11. पूरक पाठ्यपुस्तक (कृतिका भाग 2) के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए : *[2x4=8]*

(क). 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर भोलानाथ और उसके पिता के संबंधों का वर्णन कीजिए।

(ख). 'साना-साना हाथ जोड़ि' यात्रा-वृतांत के आधार पर लेखिका के अनुसार यात्राएँ मनुष्य के जीवन में क्या भूमिका निभाती हैं?

(ग). 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लेखक अज्ञेय के अनुसार लेखन की प्रेरणा का मुख्य स्त्रोत क्या है?

खंड - घ (रचनात्मक लेखन) [20 अंक]

नोट : लेखन कार्यों में दिए गए सभी विवरण काल्पनिक हैं और केवल मूल्यांकन हेतु रचे गए हैं।

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *[6]*

(क). डिजिटल भुगतान का बढ़ता प्रचलन - डिजिटल भुगतान क्या है? युवाओं में इसकी लोकप्रियता के कारण, इसके लाभ और सावधानियाँ।

(ख). पर्यावरण संरक्षण में विद्यार्थियों की भूमिका - पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता, विद्यार्थी किस प्रकार योगदान दे सकते हैं, दीर्घकालिक लाभ।

(ग). समय प्रबंधन का महत्व - समय प्रबंधन क्या है, विद्यार्थी जीवन में इसकी आवश्यकता, समय प्रबंधन के लाभ।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए : *[5]*

(क). आप अनन्या/अनय हैं। अपने क्षेत्र में सड़कों की खराब स्थिति से उत्पन्न कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए नगर निगम अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

OR

(ख). आप अनन्या/अनय हैं। अपने विद्यालय के पुस्तकालय में नई पुस्तकें उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में उत्तर लिखिए : *[5]*

(क). आप प्रिया/प्रियांक हैं। आपने हिंदी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। किसी विद्यालय में हिंदी शिक्षक के रिक्त पद हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए।

OR

(ख). आप प्रिया/प्रियांक हैं। अपने क्षेत्र में जलभराव की समस्या से नगर निगम अधिकारी को अवगत कराते हुए लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में उत्तर लिखिए : *[4]*

(क). वृक्षारोपण अभियान को बढ़ावा देने हेतु लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

OR

(ख). अपनी सहेली/मित्र की वार्षिक परीक्षा में सफलता पर उसे बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

हिंदी (पाठ्यक्रम - अ) कोड (002)

उत्तर कुंजी - कक्षा 10 प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 1

Future Topper द्वारा तैयार | यह CBSE का आधिकारिक प्रश्नपत्र नहीं है

सामान्य निर्देश: नीचे दिए गए बिंदु केवल सुझाव मात्र हैं। सही तर्क अथवा भाव वाले किसी भी उत्तर को अंक दिए जा सकते हैं।

खंड - क : अपठित बोध (14 अंक)

प्रश्न 1 : गद्यांश (7 अंक)

(क). (ii) वर्षा जल संचयन के महत्व पर *[1]*

(ख). (iv) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। [ये संरचनाएँ बिना आधुनिक तकनीक के ही बनी थीं; उनके नष्ट होने का कारण उपेक्षा था, तकनीक का अभाव नहीं] *[1]*

(ग). (ii) आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी *[1]*

(घ). छतों पर एकत्र वर्षा जल को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों अथवा पुनर्भरण गड्ढों तक पहुँचाया जाता है, जिससे भूजल स्तर पुनः ऊपर उठने में सहायता मिलती है। *[2]*

(ङ). क्योंकि यह कोई महंगी या जटिल तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने की एक सहज विधि है, जिसे सामान्य समझ और थोड़े प्रयास से अपनाया जा सकता है। *[2]*

प्रश्न 2 : काव्यांश (7 अंक)

(क). (ii) परिश्रम और श्रमिक के जीवन का *[1]*

(ख). (iv) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। [कविता भाग्य को पूर्वनिर्धारित नहीं, बल्कि परिश्रम से अर्जित बताती है] *[1]*

(ग). (ii) यश और नाम की *[1]*

(घ). इस पंक्ति का आशय है कि धरती स्वयं फसल उत्पन्न नहीं करती, बल्कि किसान के निरंतर परिश्रम और लगन से ही यह संभव होता है। *[2]*

(ङ). श्रमिक के लिए सच्ची संतुष्टि यश, धन या नाम में नहीं, बल्कि प्रतिदिन के श्रम और अगले दिन फिर काम करने के अवसर में निहित है। *[2]*

खंड - ख : व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

प्रश्न 3 : वाक्य भेद

(क). घंटी बजते ही सभी विद्यार्थी कक्षा से बाहर निकल आए। *[1]*

(ख). राधा ने पत्र लिखा और फिर उसे डाकघर भेज दिया। (मिश्र वाक्य: जैसे ही राधा ने पत्र लिखा, उसने उसे डाकघर भेज दिया।) *[1]*

(ग). परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होता है। *[1]*

(घ). संयुक्त वाक्य *[1]*

(ङ). संयुक्त वाक्य *[1]*

प्रश्न 4 : वाच्य

(क). माली द्वारा पौधों को पानी दिया गया। *[1]*

(ख). बच्चों ने खेल खेला। *[1]*

(ग). भाववाच्य *[1]*

(घ). भाववाच्य *[1]*

(ङ). अध्यापक ने नियम समझाए। *[1]*

प्रश्न 5 : पद परिचय

(क). सुनीता - संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक *[1]*

(ख). धीरे-धीरे - क्रिया विशेषण, रीतिवाचक *[1]*

(ग). सुंदर - विशेषण, गुणवाचक *[1]*

(घ). मैदान में - संज्ञा पद, अधिकरण कारक *[1]*

(ङ). वाह - विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षसूचक *[1]*

प्रश्न 6 : अलंकार

(क). उपमा अलंकार *[1]*

(ख). रूपक अलंकार *[1]*

(ग). उत्प्रेक्षा अलंकार *[1]*

(घ). अतिशयोक्ति अलंकार *[1]*

(ङ). मानवीकरण अलंकार *[1]*

खंड - ग : पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक (30 अंक)

प्रश्न 7 : गद्य खंड बहुविकल्पीय (5 अंक)

(क). (ii) चश्मा *[1]*

(ख). (iii) आत्मा-परमात्मा के मिलन के सिद्धांत पर *[1]*

(ग). (ii) दिखावटी शान और झूठी प्रतिष्ठा *[1]*

(घ). (ii) माँ और बाहर की एक शिक्षिका दोनों का *[1]*

(ङ). (iii) शहनाई *[1]*

प्रश्न 8 : गद्य लघु उत्तर, किन्हीं तीन के उत्तर (6 अंक)

(क). लेखक के अनुसार सभ्यता बाहरी सुख-सुविधाओं और भौतिक साधनों से जुड़ी है, जबकि संस्कृति मनुष्य के आंतरिक विवेक, उचित-अनुचित की समझ और संयम से संबंधित है। *[2]*

(ख). डॉ. शीला अग्रवाल ने लेखिका को आत्मविश्वास और तर्कशक्ति दी, जिससे मन्नू भंडारी अपने विचार निर्भीकता से व्यक्त करना सीख गईं। *[2]*

(ग). बिस्मिल्ला ख़ाँ प्रतिदिन ईश्वर से एक सच्चा सुर पाने की प्रार्थना करते थे और जीवनभर काशी विश्वनाथ तथा बालाजी मंदिर के प्रति गहरी श्रद्धा रखते थे। *[2]*

(घ). नवाब साहब को लगता था कि किसी अपरिचित के सामने अपनी ज़रूरत या कमी दिखाना उनकी प्रतिष्ठा के विरुद्ध है, इसलिए वे सामान्य बातचीत से भी बचते थे। *[2]*

प्रश्न 9 : काव्य खंड बहुविकल्पीय (5 अंक)

(क). (i) कड़वी ककड़ी से *[1]*

(ख). (ii) लक्ष्मण की व्यंग्यपूर्ण बातें *[1]*

(ग). (ii) वे इसे व्यर्थ का दिखावा मानते हैं *[1]*

(घ). (ii) बादल का *[1]*

(ङ). (ii) मुख्य गायक का मान बनाए रखने की चेष्टा का *[1]*

प्रश्न 10 : काव्य लघु उत्तर, किन्हीं तीन के उत्तर (6 अंक)

(क). गोपियाँ उद्धव के निर्गुण ज्ञान-योग को अस्वीकार करते हुए व्यंग्य करती हैं, क्योंकि वे कृष्ण के प्रति अपने सगुण प्रेम को श्रेष्ठ मानती हैं और योग को उनकी विरह-व्यथा का उचित समाधान नहीं समझतीं। *[2]*

(ख). निराला जी प्रकृति को मानवीय भावनाओं से जोड़कर चित्रित करते हैं; बादल क्रांति और नवजीवन के प्रतीक बनकर उभरते हैं, जबकि वसंत के चित्रण में उल्लास और उमंग झलकती है। *[2]*

(ग). संगतकार मुख्य गायक की कमज़ोर पड़ती आवाज़ को सहारा देकर उसका आत्मविश्वास बनाए रखता है, जिससे प्रस्तुति की निरंतरता और गरिमा बनी रहती है। *[2]*

(घ). जयशंकर प्रसाद विनम्र और आत्मसंयमी व्यक्तित्व के हैं, जो अपनी उपलब्धियों का बखान करने के बजाय उन्हें सामान्य जीवन का हिस्सा मानते हैं। *[2]*

प्रश्न 11 : कृतिका, किन्हीं दो के उत्तर (8 अंक)

(क). भोलानाथ के पिता अनुशासनप्रिय और परंपरा में विश्वास रखने वाले व्यक्ति थे, जबकि माँ भोलानाथ के प्रति अधिक स्नेहशील थी। पिता की उपस्थिति में भोलानाथ को अनुशासन का सामना करना पड़ता था, जिससे दोनों के संबंधों में कुछ औपचारिकता बनी रहती थी। *[4]*

(ख). लेखिका के अनुसार यात्राएँ मनुष्य को प्रकृति और नए अनुभवों से जोड़कर उसकी संवेदनशीलता को जीवित रखती हैं, जबकि यांत्रिक जीवनशैली मनुष्य को भावशून्य बनाने का कार्य करती है। *[4]*

(ग). अज्ञेय के अनुसार लेखन की प्रेरणा जीवन के प्रत्यक्ष अनुभवों, आंतरिक द्वंद्वों और आत्मान्वेषण की प्रक्रिया से उत्पन्न होती है, न कि बाहरी प्रशंसा अथवा दिखावे से। *[4]*

खंड - घ : रचनात्मक लेखन (20 अंक)

अंक विभाजन (सामान्य): अनुच्छेद - विषय-केंद्रित, क्रमबद्धता, सामासिकता के आधार पर 6 अंक। पत्र - प्रारूप, विषयवस्तु, भाषा शैली के आधार पर 5 अंक। स्ववृत्त/ई-मेल - 5 अंक। विज्ञापन/संदेश - 4 अंक।

प्रश्न 12 (अनुच्छेद): चुने गए विषय पर विचारों की क्रमबद्धता, आवश्यक तथ्यों का समावेश और निर्धारित शब्द-सीमा का ध्यान रखा जाना चाहिए।

प्रश्न 13 (पत्र): प्रारूप में प्रेषक-प्रापक का उल्लेख, विषय पंक्ति, समस्या का स्पष्ट वर्णन और उचित माँग अथवा अनुरोध होना चाहिए।

प्रश्न 14 (स्ववृत्त/ई-मेल): स्ववृत्त में नाम, योग्यता, अनुभव और संपर्क विवरण स्पष्ट रूप से हो; ई-मेल में विषय पंक्ति और औपचारिक भाषा शैली अनिवार्य है।

प्रश्न 15 (विज्ञापन/संदेश): विज्ञापन में आकर्षक शीर्षक और स्पष्ट संदेश हो; बधाई संदेश संक्षिप्त, सारगर्भित और भावपूर्ण होना चाहिए।